DATE:-20-08-2025

RAJASTHAN PATRIKA, PAGE-04, SURAT

सूरत मेट्रो रेल में बड़ी उपलब्धि

चौक बाजार मेट्रो स्टेशन पर डाऊन लाइन टनल का ब्रेक थ्रू कार्य पूरा

डाउन लाइन के समानांतर अप लाइन सुरंग का कार्य भी जल्दी पूरा होने की उम्मीद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (जीएमआरसी) ने सूरत मेट्रो रेल परियोजना के अंतर्गत चौक बाजार स्टेशन पर डाउन लाइन सुरंग का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। सूरत रेलवे स्टेशन और कापोद्रा के बीच अप और डाउन दोनों लाइनों के लिए सुरंग निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। अब चौक बाजार स्टेशन पर डाउन लाइन सुरंग का काम पूरा हो गया है और इसके समानांतर अप लाइन सुरंग का काम भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद जताई गई है।

सूरत में गुजरात मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नरेन्द्रकुमार लोहिया ने बताया कि चौक बाजार स्टेशन पर डाऊन लाइन टनल का ब्रेक थ्रू पूरा करके बड़ी उपलब्धि है। इसे सूरत मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। सूरत मेट्रो परियोजना 40.35 किमी लंबी है। इसमें दो कॉरिडोर और 38 स्टेशन शामिल हैं। मजूरागेट मेट्रो स्टेशन इन दोनों कॉरिडोर का जंक्शन स्टेशन है, जहां दोनों कॉरिडोर की मेट्रो रेल एक दूसरे को पार करती है। यहां से यात्री एक मेट्रो मार्ग से दूसरे तक यात्रा कर सकते हैं। सूरत रेलवे स्टेशन और कापोद्रा के बीच अप और डाउन दोनों लाइनों के लिए सुरंग निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो गया है। मंगलवार को चौक बाजार स्टेशन पर डाउन लाइन सुरंग का काम पूरा हो चुका है और समानांतर अप लाइन सुरंग का काम भी जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। इस दौरान सूरत मनपा आयुक्त शालिनी अग्रवाल और गुजरात मेट्रो रेल निगम के संयुक्त प्रबंध निदेशक संजय गुप्ता, इंजीनियर दलजीत सिंह, जे. कुमार, राजन शर्मा की उपस्थिति में टनल थ्रू कार्य पूरा हुआ। गौरतलब है कि सूरत मेट्रो परियोजना में चौक बाज़ार, मस्कती अस्पताल और सूरत रेलवे स्टेशन तक के खंड में सुरंगों और भूमिगत मेट्रो स्टेशनों के निर्माण का कार्य मेसर्स जे. कुमार इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड द्वारा लगभग 942.16 करोड़ के अनुबंध के तहत किया जा रहा है। सूरत शहर के व्यस्त यातायात, शहर के पुराने किला क्षेत्र में आवासीय और व्यावसायिक भवनों और शहरी निवासियों की निरंतर आवाजाही और शहर के नीचे की जटिल भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए, मेट्रो परियोजना के लिए भूमिगत सुरंगों का निर्माण सबसे चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक है। यह सफलता उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के साथ निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने, ड्रीम सिटी, डायमंड बुर्स को कापोदरा और सरथाणा क्षेत्रों से जोड़ने और सूरत के लोगों को आधुनिक और कुशल मेट्रो रेल सुविधाओं का लाभ प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

टनल का ब्रेक थ्रु मिलने के बाद तिरंगे के साथ खुशी मनाते कर्मचारी।

चौक बाजार मेट्रो स्टेशन पर डाऊन लाइन टनल का ब्रेक थ्रु कार्य पूरा

डायमंड कॉरिडोर-1

ड्रीम सिटी, डायमंड बुर्स से लेकर सूरत शहर के उत्तर-दक्षिण दिशा में सरथाणा तक 20 मेट्रो स्टेशन हैं। इस रूट की लंबाई लगभग 21.61 किलोमीटर है। इसे डायमंड कॉरिडोर कहा जाता है।

टेक्सटाइल कॉरिडोर-2

सूरत शहर के पूर्व-पश्चिम दिशा में भेंसान से सारोली तक 18 मेट्रो स्टेशन हैं। इस रूट की लंबाई लगभग 18.74 किलोमीटर है। इसे टेक्सटाइल कॉरिडोर कहा जाता है।

डायमंड कॉरिडोर में छह भूमिगत स्टेशन

डायमंड कॉरिडोर में 15.14 किमी क्षेत्र एलिवेटेड (यानी सड़क से ऊपर) वायडक्ट है। जिसमें 14 मेट्रो स्टेशन और 6.47 किमी भूमिगत (अंडरग्राउंड) सुरंगें शामिल हैं, जिनसे होकर मेट्रो रेल जाएगी। इसमें 6 भूमिगत मेट्रो स्टेशन चौक बाजार, मस्कती अस्पताल, सूरत रेलवे स्टेशन, सेंट्रल वेयरहाउस, लाभेश्वर चौक और कापोदरा पर स्थित है। यह कॉरिडोर हीरा व्यापार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा परिसर है। डायमंड बुर्स के नाम से भी जाना जाने वाला डायमंड बुर्स देश-विदेश के हीरा कारोबार से जुड़ी प्रतिष्ठित कंपनियों के मालिकों और हीरा व्यापार के उद्योगपतियों, दफ्तरों और कारखानों में काम करने वाले हीरा जौहरियों और कार्यालय कर्मचारियों को उनके आवासीय क्षेत्रों से आधुनिक परिवहन व्यवस्था के साथ सुरक्षा और सुविधा के साथ जोड़ता है।